

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) की रिपोर्ट

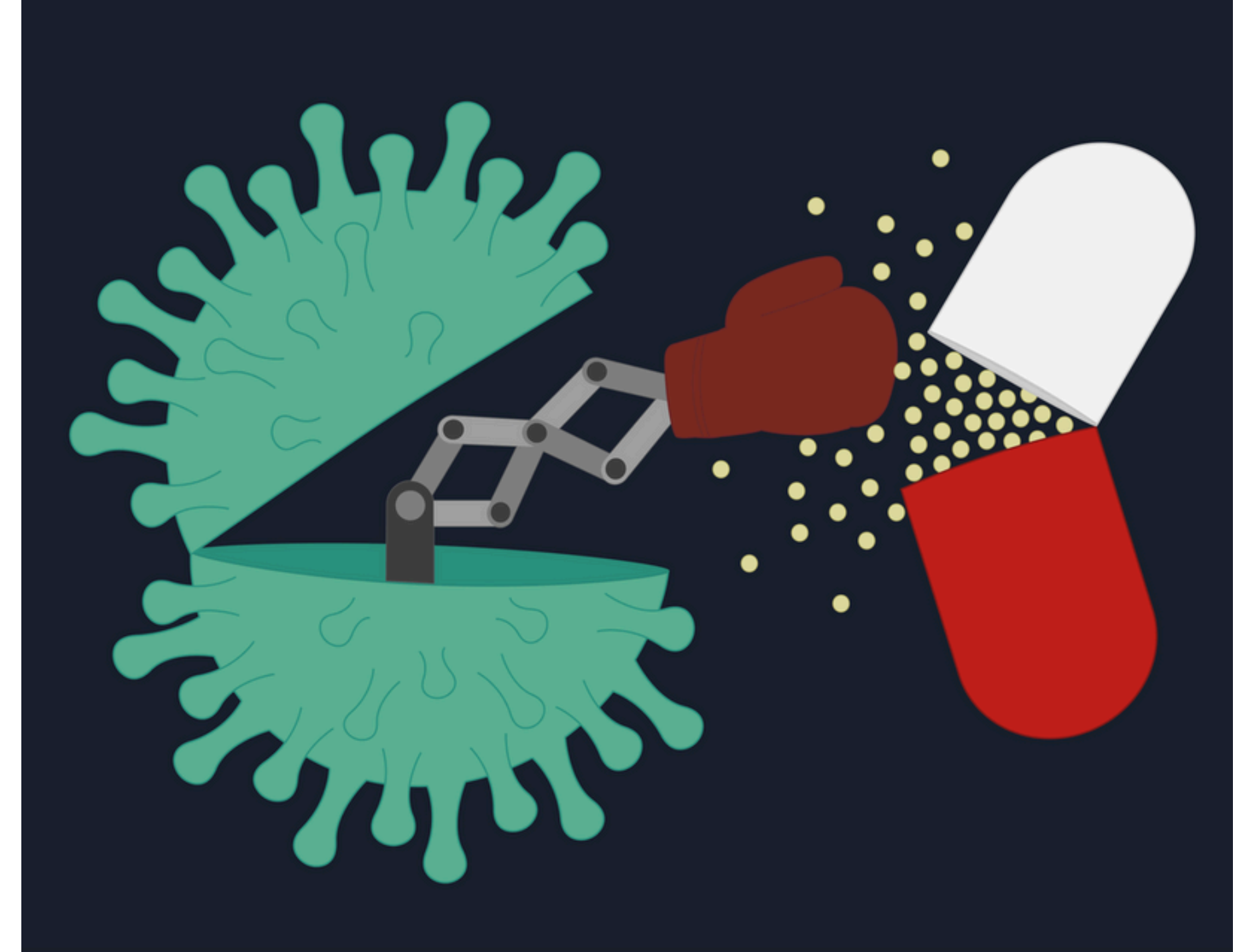



INDIAN COUNCIL OF
MEDICAL RESEARCH



NATIONAL INSTITUTE OF RESEARCH
IN BACTERIAL INFECTIONS

- रिपोर्ट में दावा किया गया कि “एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस” एक गंभीर समस्या, जिसके इलाज न होने की स्थिति में अगले 25 वर्षों में 4 करोड़ मौतें होने की आशंका।
- यूरिनरी ट्रैक्ट फिक्शन (UTI) खून में संक्रमण जैसी कुछ बीमारियों का इलाज कठिन, क्योंकि इन्हें पैदा करने वाले बैक्टीरिया पर सामान्य एंटीबायोटिक का असर नहीं।
- इस शोध के लिए 99,492 नमूने।
- रिपोर्ट में दावा किया गया कि एंटीबायोटिक का असर कम हो रहा है, जहां 2017 में यह 56.7% था वही 2023 में घटकर 42.4% रह गया है।



क्या है एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस

- एक ऐसी स्थिति जहां ज्यादा मात्रा में एंटीबायोटिक के प्रयोग से बैक्टीरिया उस दवा के प्रति इम्यून हो जाते हैं।
- कुछ समय बाद उन बैक्टीरियाओं पर उन दवाओं का असर समाप्त हो जाता है।



भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद

- भारत में आयुर्विज्ञान अनुसंधान को वित्तीय सहायता प्रदान करने और समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से 1911 में 'इंडियन रिसर्च फंड एसोसिएशन' की स्थापना।
- 1949 में इसका नाम 'भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद' कर दिया गया।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्तीय सहायता। मुख्यालय-नई दिल्ली।

